

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

R

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – नियमित

परीक्षा : जून-जुलै – २०२२

सत्र १ ले

विषय: अर्थशास्त्र आणि धर्मशास्त्र (19R413)

| दिनांक : ३०/०६/२०२२ | गुण : ६० | वेळ : दु. २.०० ते ४.३० |
|------------------------------|---|------------------------|
| सूचना : सर्व प्रश्न अनिवार्य | | |
| प्र. १. | अधोलिखितेषु केषामपि त्रयाणामनुवादं कुरुत। | (०९) |
| १. | पञ्च सूना गृहस्थस्य चुल्ली पेषण्युपस्करः। कण्डनी चोदकुम्भश्च बध्यते यास्तु धारयन्॥ | |
| २. | अग्रौ प्रास्ताहुतिः सम्प्रगादित्यमुपतिष्ठते। आदित्याज्जायते वृष्टिवृष्टेरन्नं ततः प्रजाः॥ | |
| ३. | सचैलस्नातमाहूय सूर्योदय उपोषितम्। कारयेत्सर्वदिव्यानि नृपब्राह्मणसन्निधौ॥ | |
| ४. | सामन्ता वा समग्रामाश्चत्वारोऽष्टौ दशाथ वा। रक्तस्रग्वसनाः सीमां नयेयुः क्षितिधारिणः॥ | |
| ५. | अग्निहोत्रं समादाय गृह्यं चाग्निपरिच्छदम्। ग्रामादरण्यं निःसृत्य निवसेन्नियतेन्द्रियः॥ | |
| प्र. २. | अधोलिखितेषु त्रयाणां ससन्दर्भं स्पष्टीकरणं कुरुत। | (१५) |
| १. | अप्रणीतस्तु मात्स्यन्यायमुद्गावयति। | |
| २. | अर्थमूलौ हि धर्मकामाविति। | |
| ३. | पादगुणहीनः परिमितार्थः। | |
| ४. | सुसमत्तयोर्हि भावज्ञानं दृष्टम्। | |
| ५. | प्रथमे रात्रिभागे गूढपुरुषानुत्पादयेत्। | |
| प्र. ३. | अधोनिर्दिष्टेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं देयम्। | (१२) |
| १. | ‘गूढपुरुषोत्पत्तिः’ इति विषयमधिकृत्य विवरणं कुरुत। | |
| २. | ‘राजनीतिविषये इन्द्रियजय आवश्यकः।’ – कौटिल्यमतानुसारं लिखत। | |
| ३. | राजमण्डलस्य सिद्धान्तं स्पष्टीकुरुत। | |
| प्र. ४. | अधोलिखितेषु द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरे लिखत। | (१८) |
| १. | मनुस्मृतौ निर्दिष्टानष्टविवाहप्रकारान् विवृणुत। | |
| २. | लिखितप्रमाणस्य महत्त्वं वर्णयत। | |
| ३. | वानप्रस्थाश्रमविधिं संपूर्णतया वर्णयत। | |
| प्र. ५. | कंसस्थितेषु समुचित पर्यायं विचिनुत। | (०६) |
| १. | कृषिपाशुपाल्ये वणिज्या च । (आन्वीक्षिकी / त्रयी / वार्त्ता) | |
| २. | भूतानामुद्वेजनीयो भवति। (तीक्ष्णदण्डः / मृदुदण्डः / यथार्हदण्डः) | |
| ३. | परमर्मज्ञः प्रगल्भश्छात्रः । (कापटिकः / उदास्थितः / तापसव्यञ्जनः) | |
| ४. | चाष्टमोऽधमः । (पैशाचः / गान्धर्वः / राक्षसः) | |
| ५. | क्लृप्ता महायज्ञाः प्रत्यहं गृहमेधिनाम्। (पञ्च / षट्/ सप्त) | |
| ६. | त्वं सत्यधामासि। (तुले / माले/ बाले) | |
